आई टी एल पब्लिक स्कूल
सामयिक परीक्षा -1(2025-26)
अभ्यास पत्र
विषय- हिंदी

दिनांक ः | उत्तर कुंजी | कक्षाः चतुर्थ ----
समय ः 1 घंटा | नाम ः ----------
अनुक्रमांकः

सामान्य निर्देश-

1)इस अभ्यास -पत्र में 2 पृष्ठ , 3 भाग और कुल 6 प्रश्न हैं।
2) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। 3)सभी प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सुंदर व साफ़ लिखाई में उत्तर दीजिए।

प्रश्न 1	भाग- क निम्नलिखित गिनती को हिंदी अंकों में लिखें। (अ)चौवन - ५४ (ब) उनसठ - ५९	
प्रश्न 2	निम्नलिखित गिनती को शब्दों में लिखें। (अ) 69 - उनहत्तर (ब) 57 - सत्तावन	
प्रश्न 3	भाग- ख दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए । एक घना जंगल था। जंगल के बीचों-बीच एक विशाल बरगद का पेड़ खड़ा था। उसकी जड़ें ज़मीन में बहुत गहरी थीं और शाखाएँ दूर-दूर तक फैली हुई थीं। उस पेड़ पर बहुत से पक्षी अपना घोंसला बनाकर रहते थे। एक दिन तेज़ आँधी आई। हवा इतनी ज़ोर से चल रही थी कि छोटे पेड़ झुक रहे थे और पत्तियाँ तेज़ी से उड़ रही थीं। सभी पक्षी डर गए और अपने-अपने घोंसलों में दुबक गए। लेकिन बरगद का पेड़ अडिग खड़ा रहा। उसकी मज़बूत शाखाओं ने पक्षियों को सुरक्षित रखा। जब आँधी रुकी, तो पक्षियों ने बरगद के पेड़ का धन्यवाद किया। उन्होंने महसूस किया कि सच्चा मित्र वही होता है जो मुश्किल समय में साथ दे। (क) जंगल के बीचों-बीच कौन-सा पेड़ खड़ा था? उत्तर: जंगल के बीचों-बीच एक विशाल बरगद का पेड़ खड़ा था।	

	(ख) बरगद के पेड़ पर कौन रहते थे? उत्तर: बरगद के पेड़ पर बहुत से पक्षी अपना घोंसला बनाकर रहते थे। (ग) तेज़ आँधी आने पर पक्षी क्यों डर गए? उत्तर: तेज़ आँधी के कारण हवा इतनी ज़ोर से चल रही थी कि छोटे पेड़ झुक रहे थे और पत्तियाँ तेज़ी से उड़ रही थीं इसलिए सभी पक्षी डर गए। (घ)गद्यांश में से विलोम शब्द ढूँढकर लिखें । आसमान -ज़मीन , झूठा -सच्चा	
	भाग ग	
प्रश्न 4	निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखें। (अ)अपमान- सम्मान (ब) सज्जन - दुर्जन (स) शांति -क्रोध	
प्रश्न 5	निम्नलिखित शब्दों के दो -दो पर्यायवाची लिखें। (अ) पवन - वायु , समीर (ब) बादल - मेघ ,जलद (स) कमल- पंकज ,जलज	
प्रश्न 6	(अ)कविता की पंक्तियाँ पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबसे पहले मेरे घर का अंडे जैसा था आकर तब मैं यही समझती थी बस इतना- सा ही है संसार। फिर मेरा घर बना घोंसला सुंदर तिनकों से तैयार तब मैं ही समझती थी बस इतना सा ही है संसार। (1) इन पंक्तियों के कवि और कविता का नाम लिखिए। उत्तर: इन पंक्तियों के कवि निरंकार देव सेवक हैं और कविता का नाम 'चिड़िया का गीत' है।	

(2) सबसे पहले चिड़िया के घर का आकार कैसा था?

उत्तर :सबसे पहले चिड़िया के घर का आकार अंडे जैसा था ।

(3) घोंसला कैसे तैयार किया जाता है?

उत्तर : घोंसला सूखे तिनकों से तैयार किया जाता है।

(4) इन पंक्तियों में ' मैं ' किसे कहा गया है?

उत्तर :इन पंक्तियों में 'मैं' चिड़िया को कहा गया है।

(ब)हमें प्रायः सुबह शाम- पक्षियों की आवाज सुनाई देती है ,ऐसा क्यों होता है ?

उत्तर:सुबह जब पक्षी जागते हैं और शाम को जब वापस अपने घर लौटते हैं तो वे गाते हैं और एक दूसरे से बातें करते हैं इसलिए उसे समय उनकी चहचहाट सुनाई देती है।

This document was created with the Win2PDF “Print to PDF” printer available at

https://www.win2pdf.com

This version of Win2PDF 10 is for evaluation and non-commercial use only.
Visit https://www.win2pdf.com/trial/ for a 30 day trial license.

This page will not be added after purchasing Win2PDF.

https://www.win2pdf.com/purchase/